पी.जी.डी.ए.पी.पी

ऑडियो कार्यक्रम निर्माण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

सत्रीय कार्य

2009–10

एम.जे.एम.–001
एम.जे.एम.–002
एम.जे.एम.–003

पत्रकारिता और नव जनसंचार माध्यम अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

पी.जी.डी.ए.पी.पी. सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

आपको सभी सत्रीय कार्य करने हैं। ये सभी अध्यापक जाँच सत्रीय ;ज्ड ब्द्ध कार्य हैं। सत्रीय कार्य शुरू करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देश अवश्य पढ़ लें।

कृपया ध्यान दें, सभी सत्रीय कार्य दी गई अंतिम तिथि तक जमा करें जिससे कि आप परीक्षा में बैठ सकें। इन्हें अपने अध्ययन केंद्र पर जमा करें। सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पता, सत्रीय कार्य का कोड, अध्ययन केंद्र लिखें।

अपने अध्ययन केंद्र पर सत्रीय कार्य जमा करवाते समय उसकी रसीद अवश्य लें और उसे संभाल कर रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी अपने पास अवश्य रखें। जाँच के बाद अध्ययन केंद्र को आपके सत्रीय कार्य वापस करने चाहिए। जाँच के बाद सत्रीय कार्य की मांग उनसे अवश्य करें। अध्ययन केंद्र की यह ज़िम्मेदारी है कि वह विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को आपके सत्रीय कार्य अंकों की तालिका अवश्य भेजें।

सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

प्रत्येक सत्रीय कार्य में पांच प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई शब्द सीमा में देना है। सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा।

1) **योजना** : सत्रीय कार्यो को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे संबद्ध इकाइयों का पुनः अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की एक रूपरेखा बनाइए। अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए। ध्यान रहे आपका उत्तर :

- तर्कसंगत और प्रवाहपूर्ण हो,
- वाक्यों और अनुच्छदों के बीच स्पष्ट संबंध हो, और
- आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति स्पष्ट और स्टीक हो।

3) **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ़-साफ़ लिखिए और जिस मुद्दे पर बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए।

शुभ कामनाएं।

कार्यक्रम

समन्वयक

एम.जे.एम.ः प्रसारण और कार्यक्रम आयोजन
सत्रीय कार्य 01

पाठ्यक्रम कोड : एम.जे.एम.–001

अंतिम तिथि 29 जनवरी 2010

सत्रीय कार्य कोड एम.जे.एम.–001/टी.एम.ए–1/2009–10

अंक : 100

1 प्रसारण पर सरकार के एकाधिकार की समाप्ति से प्रतिस्पर्धा को बढावा मिलेगा और इससे विभिन्न कार्यक्रमों के निर्माण और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायता भी मिलेगी।ष क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर के उचित कारण भी दीजिए। (350 शब्द)

2 ब्लॉक–1 यूनिट–4 में उल्लिखित विभिन्न विकास संबंधी मुद्दों में से कार्यक्रम निमार्ण के लिए आप किस मुद्दे का चयन करेंगें और क्यों? (300 शब्द)

3 एक सामुदायिक रेडियो स्टेशन में समुदाय की सहभगिता उसकी सफलता के लिए आवश्यक है । इस कथन को स्पष्ट कीजिए । (250 शब्द)

4 निजी रेडियो स्टेशनों द्वारा अपनाई गई विभिन्न विपणन नीतियों का विश्लेषण कीजिए । (300 शब्द)

5 अपनी पसन्द के किसी रेडियो स्टेशन पर श्रोता सहभागी कार्यक्रम सुनिए तथा उसकी सामर्थ्यता और सीमाओं का विश्लेषण कीजिए । (300 शब्द)

एम.जे.एम–002 निर्माण और प्रस्तुति
सत्रीय कार्य 02

पाठ्यक्रम कोड : एम.जे.एम.–002

अंतिम तिथि 26 फरवरी 2010

सत्रीय कार्य कोड एम.जे.एम.–002/ टी.एम.ए–1/2009–10

अंक : 100

1 दो रेडियो स्टेशनों की प्रस्तुति तकनीक को ध्यान से एक सप्ताह तक सुनिए। आपको कौन सी अधिक रुचिकर लगती है और क्यों? (350 शब्द)

2 अपनी पसंद के किसी विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम की परिकल्पना कीजिए। उसके निर्माण के दौरान आप किन बातों का ध्यान रखेंगें? (250 शब्द)

3 एड्स पर जानकारी बढाने के लिए कार्यक्रम निर्माण के दौरान आप किन–2 बातों का ध्यान रखेंगे और क्यों? (250 शब्द)

4 विविध कार्यक्रमों के दौरान प्रसारित रेडियो विज्ञापनों को ध्यान से सुनिए तथा 10 विज्ञापन रिकार्ड कीजिए । इकाई 9 के अनुभाग 9.5 में चर्चित बिंदुओं को ध्यान में रखकर इनकी प्रभाविता का विश्लेषण कीजिए। (350 शब्द)

5 एक शैक्षिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने के लिए किसी विषय तथा श्रोता समूह का चयन कीजिए । कार्यक्रम सार बनाने के लिए खण्ड–3 के पृष्ठ–39 में दिए गए कुछ शीर्षो का आप अनुसरण भी कर सकते हैं । (300 शब्द)

एम.जे.एम–003 ध्वन्यांकन, मिश्रण और संपादन
सत्रीय कार्य 03

पाठ्यक्रम कोड : एम.जे.एम.–003

अंतिम तिथि 31 मार्च 2010

सत्रीय कार्य कोड एम.जे.एम.–003/टी.एम.ए–1/2009–10

अंक : 100

1. निम्नलिखित का संक्षेप में वर्णन कीजिएः **(12x5=60)**

1 अधिक उच्च आवृत्ति
2 सन्तुलन
3 आवृत्ति
4 संकेतक प्रक्रिया
5 प्रतिध्वनिक समय
6 ध्वनिक उर्जा
7 सन्निवेश सम्पादन
8 क्रॉस फेडिगं
9 पीढ़ी क्षति
10 ए–डैट
11 ध्वनि का स्थानीकरण
12 कैप्सूलिंग

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः

(20x2=40)

1 ----- न केवल स्त्रोतों को बूथ के अन्दर नियन्त्रित करता है वरन् स्टूडियो के माइक्रोफोन को भी नियन्त्रित करता है।
2 किसी भी प्रसारण स्टूडियो में-------ध्वनि का मुख्य स्त्रोत होता है।
3 स्टूडियो में ---------- माइक का प्रयोग सामूहिक परिचर्चा तथा बहुदिशायी साक्षात्कार के लिए किया जा सकता है।
4 ऐसा उपकरण जो एक प्रकार की उर्जा को दूसरे प्रकार में परिवर्तित करता है----------कहलाता है।
5 अनुचित स्थानीकरण से ध्वनि में व्यवधान आता है जिसे ---------- कहते हैं।
6 परिदृश्य या परिपेक्ष्य--------की स्पष्ट दूरी को कहते हैं।
7 टेप पर चुम्बकीय रिकार्डिंग तंत्र में ---- की सीमा होती है।
8 ----से ध्वनियों की गुणवत्ता परखी जाती है जिससे कि उचित रिकार्डिंग की जा सके।
9 आवाजों में और अधिक जीवन्तता प्रदान करने के लिए ------दी जाती है।

10 सभी रिकार्डिंग मिक्सर में कम से कम तीन बैंड समकारक होते हैं। इनके नाम हैं ---------- ।

11 ------ का उद्देश्य किसी कहानी को सर्वोत्तम सम्भावित ढंग से सुनाना है।

12 मिश्रण-----का ही विस्तार है जिसका तात्पर्य क्रमिक अनुक्रम में विभिन्न टेप पर रिकार्ड की गई ध्वनियो को अनुपातिक रुप से समावेशित करना है।

13 कुछ रिकार्डिंग ऐसी होती है जहां किसी भी सम्पादन की आवश्यकता नहीं रहती उदहारणार्थ ------।

14 ध्वनि को टेप रिकॉर्डर से दूसरे टेप रिकॉर्डर में स्थानान्तरण की प्रक्रिया को ---------- कहते हैं।

15 बेहतर एस.एन. अनुपात या निम्न शोर को प्राप्त करने के लिए ऑडियो को सम्भावित उच्च स्तर पर रिकार्ड करने की आावश्यकता है।

16 टेप के स्पूल में संकेत की एक सतह से दूसरी सतह तक स्वध्वन्यकन को ----------कहा जाता है।

17 एक प्रणाली में शोर स्तर उच्चतम संकेत स्तर का अनुपात .....है।

18 समायोजन और सन्निवेश सम्पादन ----------के दो महत्वपूर्ण तरीके हैं।

19 स्पॉट इरेज ---------- द्वारा ही शोर को हटा देते हैं।

20 स्टीरियो रिकार्डिंग का मुख्य कार्य --------- करना भी है ।